पिछले 100 वर्षों में भारतीय हॉकी ने जो हासिल किया है, वह एक बड़ी उपलब्धि है।
- जफर इकबाल

पूर्व भारतीय खिलाड़ी, भारतीय हॉकी के 100 वर्ष होने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सुनिधि चौहान

बॉलीवुड की मशहूर गायिका सुनिधि चौहान रविवार को भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाले महिला क्रिकेट विश्वकप 2025 के फाइनल में अपने हिट गानों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी। डीवाई पाटिल क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित इस समारोह में सर्वाधिक लोकप्रिय गायिका सुनिधि के साथ 60 नर्तकों का एक समूह अपनी प्रस्तुति देगा। प्रसिद्ध कोरियोठाफर संजय शेट्टी ने नृत्य निर्देशन का जिम्मा संभाला है। लेजर शो और ड्रोन प्रदर्शन भी किए जाएंगे। सुनिधि मैच से पहले भारत का राष्ट्रगान भी गाएंगी।

क्या आप जानते हैं ?... भारतीय महिला टीम 2004 , 2005-06 , 2006 , 2008 में 4 बार एकदिवसीय एशिया कप जीता है।

भारत की नजरें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वापसी करने पर

होबार्ट, 1 नवंबर। होबार्ट की दक्षिणी हवाएं कल निर्णायक मुकाबले की आहट दे रही हैं। सीरीज अपने अंतिम पड़ाव पर है - ऑस्ट्रेलिया 1-0 की मामूली बढ़त बनाए हुए है, भारत बेचैन, घायल है, और जानता है कि इसके आगे कोई कल नहीं है।

तस्मान की रोशनी में एक आखिरी नृत्य, सम्मान और संतुलन बहाल करने का एक आखिरी मौका। बेलेरिव ओवल, अपने मनमोहक आसमान और शाम की तेज हवा के साथ, दो टीमों के बीच न केवल क्रिकेट का मुकाबला देखने को मिलेगा, बल्कि उनके हौसले, जज्बे और शुरुआत से भी ज़्यादा मज़बूती से मैच खत्म करने की इच्छाशक्ति की भी परीक्षा होगी।

ऑस्ट्रेलिया इस तीसरे टी20 मैच में लय और अपने खेल पर नियंत्रण के साथ उतरेगा। पिछले मैच में मिशेल मार्श ने आक्रामकता और संयम का भरपूर इस्तेमाल करते हुए पूरे अधिकार के साथ नेतृत्व किया था। ट्रैविस हेड के साथ, वह एक ऐसी सलामी जोड़ी बनाते हैं जो गति और दबाव का भरपूर लाभ उठाती है। उनके पीछे, जोश इंगलिस, टिम डेविड और मैथ्यू शॉर्ट मध्य क्रम की धड़कन हैं - ये खिलाड़ी सत्रों में नहीं, बल्कि ओवरों में स्टेडियम में आग लगा सकते हैं। जोश हेजलवुड की कमी खलेगी; उनकी जगह सीन एबॉट गेंद संभालेंगे, और उन्हें ज़ेवियर बार्टलेट के साथ शुरुआत में ही लय हासिल करनी होगी। नाथन एलिस मध्यक्रम में नियंत्रण बनाए रखेंगे, और एडम जम्पा की चतुराई एक बार फिर वह खतरा साबित होगी जिससे भारत को निपटना होगा।

मार्कस स्टोइनिस इन कमियों को पूरा करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देंगे, जिससे टीम में गहराई और विकल्प दोनों मिलेंगे। यह एक आत्मविश्वास से भरी ऑस्ट्रेलियाई टीम है, जो अच्छी तरह से प्रशिक्षित है और जानती है कि क्या कारगर है। भारत के लिए, यह जवाबी कार्रवाई की रात है - नेतृत्व और दृढ़ विश्वास की रात। सूर्यकुमार यादव की टीम ने पिछले एक साल में शानदार टी20 रिकॉर्ड बनाया है, लेकिन मेलबर्न ने याद दिलाया कि क्रिकेट की धड़कनें नाज़ुक होती हैं।

अभिषेक शर्मा वहाँ अकेले योद्धा थे, उनकी 68 रन की पारी ढलती शाम में एक उज्ज्वल, बहादुर रोशनी की तरह थी। वह फिर से शुभमन गिल के साथ ऊपरी क्रम में लय बनाने की कोशिश करेंगे, जिनकी टाइमिंग और टच इस तेज पिच पर अहम होंगे। सूर्यकुमार को खुद उस स्पष्टता को हासिल करना होगा जिसने उन्हें इतना आधुनिक चमत्कार बनाया है - सहज, साहसी, और जब वह लय में हों तो अजेय।

संजू सैमसन, तिलक वर्मा और हर्षित राणा मध्यक्रम में ज़िम्मेदारी संभालेंगे, जबकि अक्षर पटेल और शिवम दुबे वह फिनिशिंग गहराई प्रदान करेंगे जिस पर भारत भरोसा करता है।

पिछले मैच में असामान्य रूप से शांत रहे जसप्रीत बुमराह, आग उगलते हुए वापसी करेंगे। मार्श के साथ उनका मुकाबला रात का रुख बदल सकता है। उनके साथ, हर्षित राणा ऊर्जा लेकर आएंगे, जबकि कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती बीच के ओवरों में लय की तलाश करेंगे। उनका नियंत्रण, न कि उनकी बारी, खेल पर भारत की पकड़ तय करेगी।

बेलेरिव ओवल, आकार में छोटा और चरित्र में तीखा, अक्सर साहस को पुरस्कृत करता है। शुरुआत में, तस्मानियाई ठंडे आसमान में गेंद थोड़ा घूम सकती है और स्विंग ले सकती है, लेकिन जैसे-जैसे रात गहराती जाएगी, बल्लेबाज़ों को आज़ादी मिलेगी। पहली पारी कड़ी मेहनत वाली हो सकती है, दूसरी पारी स्ट्रोक्स के लिए।

श्रेयस अय्यर को सिडनी के अस्पताल से छुट्टी मिली

मुंबई, 1 नवंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आज एक बयान में पुष्टि की कि 25 अक्टूबर, 2025 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए एकदिवसीय मैच के दौरान पेट में गंभीर चोट लगने के बाद भारतीय बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सिडनी के एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। आधिकारिक बयान के अनुसार, श्रेयस अय्यर को 25 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच के दौरान क्षेत्ररक्षण करते समय पेट में गंभीर चोट लगी थी, जिससे उनकी तिल्ली में चोट लग गई और आंतरिक रक्तस्राव होने लगा। चोट की तुरंत पहचान कर ली गई और एक मामूली प्रक्रिया के बाद रक्तस्राव तुरंत बंद कर दिया गया। बीसीसीआई ने कहा, "इसके लिए उनका उचित चिकित्सा उपचार किया गया है।" बोर्ड ने यह भी बताया कि सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ मिलकर बीसीसीआई की मेडिकल टीम अय्यर की प्रगति से संतुष्ट है। बयान में कहा गया, "अब उनकी हालत स्थिर है और वे अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। बीसीसीआई की मेडिकल टीम, सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के साथ, उनके स्वास्थ्य में सुधार से खुश हैं और उन्हें आज अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।" बीसीसीआई ने श्रेयस को उनकी चोट का सर्वोत्तम उपचार सुनिश्चित करने के लिए सिडनी में डॉ. कौरौश हाघीगी और उनकी टीम के साथ-साथ भारत में डॉ. दिनशॉ पारदीवाला का आभार व्यक्त किया। आधिकारिक बयान में आगे कहा गया, "श्रेयस आगे की सलाह के लिए सिडनी में ही रहेंगे और उड़ान भरने के लिए फिट पाए जाने पर भारत लौट आएंगे।"

एशिया कप ट्रॉफी गतिरोध गहराया, बीसीसीआई ने आईसीसी बैठक में मुद्दा उठाने का लिया कड़ा फैसला

नई दिल्ली, 1 नवंबर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने शनिवार को पुष्टि की कि भारत दुबई में होने वाली अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की आगामी बैठक में एशिया कप ट्रॉफी सौंपे जाने का मुद्दा उठाएगा। उन्होंने एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) द्वारा दस दिन पहले भेजे गए औपचारिक पत्र के बावजूद कोई प्रतिक्रिया न मिलने का हवाला दिया। भारत ने नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी स्वीकार करने से इनकार कर दिया और मैच के बाद की प्रस्तुति में हंगामा मच गया। भारत के इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक अधिकारी ने एशिया कप ट्रॉफी को मंच से हटा दिया और बिना कोई स्पष्टीकरण दिए उसे ज़मीन से उठा ले गया।

देवजीत सैकिया ने बताया कि हमने एसीसी से संपर्क किया है और 10 दिन पहले एक पत्र भी भेजा है। कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला है। हम उसी रुख पर कायम हैं। इसलिए, हम आईसीसी की बैठक में यह मुद्दा उठाएंगे, जो 4 नवंबर को दुबई में शुरू होगी। ट्रॉफी आएगी, और यह तय है, क्योंकि यह ट्रॉफी भारत ने आसानी से जीत ली है। केवल समयसीमा तय होनी है। उन्होंने आगे कहा, "अगर हमें उनसे ट्रॉफी लेनी होती, तो हम फाइनल वाले दिन ही ले लेते। हमारा रुख साफ़ है: हम उस सज्जन से ट्रॉफी नहीं ले रहे हैं। इसलिए, बीसीसीआई के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। हम एसीसी अध्यक्ष, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री हैं, से ट्रॉफी स्वीकार नहीं कर रहे हैं। इसलिए, यह आनी ही चाहिए, लेकिन उनके हाथों से नहीं।"

इस विवाद के बावजूद, भारत ने जश्न मनाने का एक तरीका ढूंढ लिया, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 2024 के टी20 विश्व कप फाइनल के बाद अपने पूर्ववर्ती रोहित शर्मा की धीमी चाल की नकल की और अपने साथियों के साथ काल्पनिक ट्रॉफी उठाई। एशिया कप ट्रॉफी को लेकर गतिरोध तब शुरू हुआ जब भारत ने नकवी से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं। दोनों देशों के बीच पाँच विकेट की जीत के बाद सीमा पार तनाव के बीच यह ट्रॉफी भारत के लिए भी महत्वपूर्ण है।

महिला विश्व कप फाइनल : दमदार बल्लेबाजी और घातक स्पिन के साथ ट्रॉफी जीतने को तैयार हरमनप्रीत की सेना

नई दिल्ली, 1 नवंबर। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम इंडिया आठ साल बाद देश का तीसरा आईसीसी महिला विश्व कप मुकाबला खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है। दो बार की उपविजेता टीम ने पिछले कुछ वर्षों में अपने खेल के कुछ पहलुओं में बड़े सुधार देखे हैं। क्रिकेट जगत को आखिरकार महिला वनडे क्रिकेट की एक नई विश्व चैंपियन देखने को मिलेगी, जब टीम इंडिया रविवार को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी, जो पहली बार फाइनल में पहुँची है। टीम इंडिया के मन में इस मैदान पर खेली गई कुछ यादगार यादें होंगी, क्योंकि जेमिमा रोड्रिग्स की शानदार पारी और कप्तान हरमनप्रीत कौर के एक और शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 339 रनों का लक्ष्य हासिल किया था, जो पुरुष और महिला वनडे विश्व कप के नॉकआउट मैचों में अब तक का सर्वश्रेष्ठ लक्ष्य है।

महिला क्रिकेट में नया युग! वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम को मिलेगी रिकॉर्ड तोड़ प्राइज मनी

नई दिल्ली, 1 नवंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया पर शानदार जीत के साथ फाइनल में पहुँचकर आईसीसी महिला विश्व कप 2025 में अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया है। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारत ने 339 रनों के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की, यह एक ऐसी उपलब्धि है जिसे टीम के सफर के निर्णायक क्षणों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। इस जीत ने न केवल उन्हें पहली बार विश्व कप फाइनल में पहुँचाया, बल्कि उन्हें लगभग 20 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि भी सुनिश्चित की। और अब, रविवार को मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के साथ होने वाले खिताबी मुकाबले में, हरमनप्रीत और उनकी टीम एक और भी बड़ी जीत की दहलीज पर खड़ी है, जिससे वे ट्रॉफी उठा सकते हैं और अपनी कमाई को दोगुना करके अभूतपूर्व 37.3 करोड़ रुपये तक पहुँचा सकते हैं। 2025 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप ने इस खेल के लिए, पैमाने और सिद्धांत, दोनों ही दृष्टि से, एक नया मानदंड स्थापित किया है।

रोहन बोपन्ना ने पेशेवर टेनिस को कहा अलविदा

मुम्बई, 1 नवंबर। दो दशक के लंबे करियर के बाद भारत के सर्वश्रेष्ठ युगल टेनिस खिलाड़ियों में से एक रोहन बोपन्ना ने शनिवार को पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया। बोपन्ना ने आज सोशल मीडिया मंच एक्स पर अपने संन्यास की घोषणा के साथ अपने टेनिस सफर के बारे में लिखा, "जिस चीज ने मेरे जीवन को मायने दिये, उससे विदाई कैसे लूं। 20 अविस्मरणीय वर्षों के बाद अब समय आ गया है कि मैं आधिकारिक तौर पर अपना रैकेट टांग दूं। अपनी सर्व पर पकड़ को मजबूत करने के लिए कूर्ग में लकड़ी काटने से लेकर दुनिया के सबसे बड़े एरेना की रोशनी में खड़े होना, अविश्वसनीय लगता है। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा। जब भी मैं कोर्ट पर उतरा, मैंने तिरंगे, उस भावना और उस गर्व के लिए खेला।" उन्होंने लिखा, "शायद मैं अब प्रतिस्पर्धा से दूर जा रहा हूं, लेकिन टेनिस के साथ मेरी कहानी खत्म नहीं हुई है। इस खेल ने मुझे सब कुछ दिया है और अब मैं इसे लौटाना चाहता हूं, ताकि छोटे शहरों से आने वाले युवा सपने देखने वाले यह विश्वास कर सकें कि उनकी शुरुआत उनकी सीमाओं को तय नहीं करती।

राजधानी

भजनलाल सरकार का 18 माह का कार्यकाल जनसेवा, सुशासन और विकास का स्वर्णिम अध्याय : राठौड़

कांग्रेस की पहचान भ्रष्टाचार की जननी के रूप में, भाजपा सदैव जनसेवा और पारदर्शिता के मार्ग पर बढ़ा रही है कदम : मदन राठौड़

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने शनिवार को अंता प्रवास के दौरान प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के 18 महीनों का कार्यकाल जनसेवा, सुशासन और विकास का स्वर्णिम अध्याय सिद्ध हुआ है। भाजपा सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवा सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं तथा महज डेढ़ वर्ष में कार्यकाल में विकास की नई मिसाल कायम की है।

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अंता प्रवास के दौरान प्रेसवार्ता को संबोधित किया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नेतृत्व में हुए विकास कार्य आज भी जनस्मृति में हैं। उनके कार्यकाल में भामाशाह योजना, राजश्री योजना, अन्नपूर्णा रसोई योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं शुरू की गईं। इसके साथ ही युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम, आई-स्मार्ट केंद्र तथा भामाशाह टेक्नो हब जैसे नवाचार स्थापित किए गए। प्राकृतिक आपदाओं के समय किसानों का हजारों करोड़ रुपए का ऋण माफ कर भाजपा सरकार ने अन्नदाताओं को राहत दी थी। वर्तमान भजनलाल शर्मा सरकार ने गरीबों के हित में कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सरकार ने खाद्य सुरक्षा योजना में 65 लाख नए पात्र लाभार्थियों को जोड़ा है, लाडो प्रोत्साहन योजना में आर्थिक सहायता राशि बढ़ाने का ऐतिहासिक कार्य किया। अन्नपूर्णा रसोई में भोजन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों में सुधार किया गया। 24,976 करोड़ की लागत से 36,140 किमी सड़कों का निर्माण कर ढाणी व शहरी क्षेत्रों को जोड़ा गया। शिक्षा के क्षेत्र में 71 नए महाविद्यालयों की स्थापना की गई तथा 91,000 युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गईं, वहीं 1.5 लाख पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रगति पर है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बताया कि किसानों के लिए राम जलसेतु लिंक परियोजना तथा हरियाणा के साथ यमुना जल उपयोग समझौता राज्य के लिए मील का पत्थर साबित होंगे। बिजली और कृषि क्षेत्र में अनेक कार्य किए गए हैं। किसान सम्मान निधि में बढ़ोतरी, फसल बीमा क्लेम भुगतान तथा 9 लाख पशुपालकों का पशु बीमा योजना में पंजीकरण इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं। नारी सशक्तिकरण के क्षेत्र में भजनलाल सरकार ने 11 लाख महिलाओं को लखपति दीदी बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है।

भाजपा और कांग्रेस सरकारों के कार्यकाल की तुलना जनता को स्वयं धरातल पर करनी चाहिए। हर क्षेत्र में भाजपा सरकार आगे है। यह सब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और सेवा भावना का परिणाम है। भाजपा सरकार का उद्देश्य केवल सत्ता नहीं बल्कि जनसेवा है, और हर निर्णय जनता के कल्याण को समर्पित है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि क्षेत्रीय विकास में सांसद दुष्यंत सिंह का योगदान उल्लेखनीय है। उन्होंने अंता, नागदा, बलदेवपुरा, सोनवा व सायगढ़ पेयजल परियोजनाओं के माध्यम से लगभग 150 गांवों में पेयजल संकट का समाधान किया है। शिक्षा, स्वास्थ्य और सड़कों के क्षेत्र में भी उनका कार्य सराहनीय रहा है, जिसके कारण जनता ने उन्हें लगातार पांचवीं बार लोकसभा में भेजा है। राठौड़ ने कहा कि अंता-मांगरोल क्षेत्र के लिए भाजपा ने मोरपाल सुमन जैसे स्वच्छ और ईमानदार छवि वाले व्यक्ति को प्रत्याशी बनाया है। वहीं कांग्रेस के प्रत्याशी पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं और अनेक मुकदमे दर्ज हैं। कांग्रेस का इतिहास भ्रष्टाचार की जननी के रूप में रहा है, जबकि भाजपा सदैव जनसेवा और पारदर्शिता के मार्ग पर चलती रही है।

पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पूरे पांच वर्ष होटलों में कैद रहकर अपनी कुर्सी बचाने में जुटे रहे, जिससे जनता के विकास कार्य ठप हो गए। ईआरसीपी जैसी भागीरथी योजना को रोककर कांठोस ने प्रदेश के हितों के साथ अन्याय किया। सत्ता मोह में गहलोत ने अपने ही उपमुख्यमंत्री को नकारा और निक्कमा तक कह डाला, जो उनकी कार्यशैली का प्रतीक है।

पेपर लीक मामले पर बोलते हुए राठौड़ ने कहा कि भाजपा सरकार ने युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए एसआईटी का गठन किया है, जो रोजाना पेपर माफियाओं को जेल की सलाखों के पीछे भेज रही है। भाजपा जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य करते हुए राजस्थान को पुन: शुद्ध शासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। कांठोस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के संघ पर प्रतिबंध लगाने वाले बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए राठौड़ ने कहा कि खड़गे उसी पार्टी के मुखिया हैं जो सेना के शौर्य पर सवाल उठाती है और सर्जिकल स्ट्राइक के सबूत मांगती है।

'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार कर रही राज्य सरकार

- **7.34 लाख के निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 8.90 लाख से अधिक नए सदस्य बनाये गए**
- **1,342 सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण के लिए हुआ भूमि का चिन्हीकरण**
- **1,706 ग्राम पंचायतों में पैक्स गठन के लिए सर्वे की कार्यवाही पूर्ण**
- **'सहकार सदस्यता अभियान' से राज्य में मजबूत हुआ सहकारिता का नेटवर्क**

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करने में देश के अठाणी राज्यों में शुमार है। राज्य में सहकारिता का नेटवर्क जमीनी स्तर तक मजबूत कर आमजन को अधिक से अधिक संख्या में लाभान्वित करने के निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अक्टूबर माह में आयोजित किया गया 'सहकार सदस्यता अभियान' राज्य में सहकार आंदोलन को नई ऊंचाइयां देने की दिशा में अहम कड़ी साबित हुआ है।

'सहकार सदस्यता अभियान' की अवधि पूर्व में 2 से 15 अक्टूबर तक निर्धारित की गई थी, जिसे आशाजनक परिणामों के फलस्वरूप बाद में 22 अक्टूबर तक बढ़ाया गया। अभियान के अंतर्गत लगभग 8,500 पैक्स के स्तर पर शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से 5 प्रकार की गतिविधियां आयोजित कर उनमें आशानुरूप परिणाम प्राप्त किये गए। युवाओं एवं महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता से जोड़ना अभियान के अंतर्गत सबसे प्रमुख गतिविधि थी। इस दिशा में बेहतरीन कार्य करते हुए अभियान की अवधि में सहकारी समितियों के 8.90 लाख से अधिक नए सदस्य बनाए गए। यह निर्धारित लक्ष्य 7.34 लाख की तुलना में लगभग 21.25 प्रतिशत अधिक है। अभियान के अंतर्गत जयपुर संभाग में 1.25 लाख नये सदस्य बनाये जाने का लक्ष्य था, जिसकी तुलना में 2.03 लाख सदस्य बनाये गए। उदयपुर संभाग में 1.01 लाख सदस्यों के निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 1.30 लाख नये सदस्य बनाये गए। अजमेर संभाग में 1.15 लाख सदस्यों के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 1.22 लाख नये सदस्य बनाये गए। जबकि, बीकानेर संभाग में 99 हजार के लक्ष्य की तुलना में 1.19 लाख सदस्य बनाये गए। इसी प्रकार, कोटा संभाग में 53 हजार के लक्ष्य की तुलना में लगभग 68 हजार एवं भरतपुर संभाग में 74 हजार के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 95 हजार नये सदस्य बनाये गए। जोधपुर संभाग में 1.53 लाख नये सदस्य बनाये गए। अभियान अवधि के दौरान पैक्सविहीन ठाम पंचायतों में नवीन पैक्स गठन की कार्यवाही के तहत 1,706 ठाम पंचायतों में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण की गई। इस दौरान 1,296 पैक्स हेतु जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जबकि, 1275 पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव विभाग को प्राप्त हुए। इस दौरान भूमिविहीन या अपर्याप्त भूमि वाली 1,342 सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण हेतु भूमि का चिन्हीकरण किया गया तथा 1,215 सहकारी समितियों द्वारा भूमि आवंटन के लिए आवेदन किया गया।'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लम्बित आवेदनों में से 38 हजार 850 कृषकों की आधार सीडिंग व 27 हजार 640 कृषकों की ई-केवाईसी का कार्य भी पूर्ण किया गया। साथ ही, इस दौरान 11 लाख से अधिक लोगों को प्रस्तावित नवीन सहकारी कानून के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्रदान गई।

'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत बड़ी संख्या में युवाओं एवं महिलाओं के सहकारी समितियों से जुड़ने से राज्य में जमीनी स्तर पर पर सहकारिता का नेटवर्क और अधिक मजबूत हुआ है, जिससे अधिक लोगों तक सुचारू रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी। पैक्सविहीन ठाम पंचायतों में नवीन पैक्स के गठन से जमीनी स्तर पर सहकारिता का व्यापक नेटवर्क होगा, जिसका किसानों व ठामीणों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। भूमिविहीन समितियों को भूमि आवंटन हो जाने से इन समितियों में गोदाम के निर्माण की राह प्रशस्त होगी, जिससे राज्य की भण्डारण क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। आधार सीडिंग और ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण होने से किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना सुचारू रूप से लाभ मिल पाएगा। जबकि, प्रस्तावित नवीन को-ऑपरेटिव कोड के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी आमजन के लिए उपयोगी साबित होगी। अभियान के बाद भी निरन्तर फॉलो अप करते हुए इन कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

1100 सिद्ध श्री महालक्ष्मी यंत्रों की दिव्य यात्रा सम्पन्न

जयपुर। अयोध्या धाम के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर परिसर में शनिवार को 1100 सिद्ध श्री महालक्ष्मी यंत्रों का पूजन संत अमरनाथ महाराज के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। यंत्रों को सिर पर धारण कर श्रीराम मंदिर की परिक्रमा की गई। मंदिर के गर्भ गृह में राम लला के श्रीचरणों में यंत्रों को स्थापित किए गए। गर्भ गृह में प्रभु श्रीरामजी को हनुमान चालीसा सुनाई गई। विश्व हिंदू परिषद के गोपाल नागरकट्टे और संत अमरनाथ महाराज ने श्रीराम मंदिर स्थित यज्ञशाला में हवन में आहुतियां प्रदान की। पुजारियों ने यंत्रों को श्रीराम मंदिर के गर्भगृह में स्थापित कर विशेष वैदिक विधि-विधान से पूजन किया। श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय को प्रथम सिद्ध श्री महालक्ष्मी यंत्र भेंट किया गया।

पीएम-कुसुम में एक ही दिन में 5 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित

जयपुर। पीएम-कुसुम योजना के कम्पोनेंट-सी के अन्तर्गत जयपुर डिस्कॉम में शुक्रवार को एक ही दिन में 5 सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए। कुल 9.28 मेगावाट क्षमता के इन विकेन्द्रित लघु सौर ऊर्जा संयंत्रों के माध्यम से संबंधित 33/11 केवी सब स्टेशन क्षेत्रों में आने वाले 1314 कृषि उपभोक्ताओं को दिन में बिजली मिल सकेगी। उल्लेखनीय है कि कुसुम योजना के कम्पानेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में जयपुर डिस्कॉम में अब तक कुल 237 मेगावाट क्षमता के 121 प्लांट कार्यशील किए जा चुके हैं। जिनसे 24,208 किसानों को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली मिल रही है। सुनेल (झालावाड़) में 4.06 मेगावाट, पीपलू (टोंक) में 0.83 मेगावाट, ब्रह्मबाद (भरतपुर) में 2.29 मेगावाट, राडावास (जयपुर जिला सर्किल उत्तर) में 1.25 मेगावाट तथा देवली (टोंक) में 0.85 मेगावाट प्रदेश के जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगमों में कम्पोनेंट-ए एवं कम्पोनेंट-सी में अब तक कुल 2170 मेगावाट क्षमता के 1018 सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित किए जा चुके हैं।

श्याम मंदिरों में मनाया खाटूनरेश का पाटोत्सव

जयपुर। देवउठनी एकादशी पर शनिवार को खाटू श्याम जी मंदिर का पाटोत्सव छोटीकाशी में श्याम प्रभु के जन्मोत्सव के रूप में श्रद्धाभाव से मनाया यगा। श्याम मंदिरों में अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई तथा श्याम प्रभु का अलौकिक श्रृंगार कर झांकियां सजाई गईं। भजन संध्या में कलाकारों ने भजनों की मधुर अमृतधारा प्रवाहित की।

शांतिकुंज हरिद्वार से प्रशिक्षण लेकर लौटी बेटियां

जयपुर। युग तीर्थ शान्तिकुंज हरिद्वार में आयोजित चार दिवसीय कन्या कौशल प्रशिक्षण शिविर में राजस्थान की 300 की बेटियां प्रशिक्षण लेकर जयपुर लौट आई हैं। इनमें जयपुर से 50 कन्याएं और 30 प्रशिक्षिकाएं शामिल हैं। बेटियों को संबोधित करते हुए गायत्री विद्यापीठ की व्यवस्था मण्डल की प्रमुख शैफाली पण्ड्या ने कहा कि जब इंसान अपनी सोच को घर तक सीमित रखता है, तब समस्याएं भी सीमित रहती हैं और जब वह समाज के प्रति जागरूक होता है, तभी उसकी सोच व्यापक बनती है। उन्होंने कहा कि साठ के दशक में ही आचार्य पं. श्रीराम शर्मा तथा माता भगवती देवी शर्मा ने नारी जागरण आंदोलन की शुरुआत की, तब से नारियों को शिक्षित और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अखिल विश्व गायत्री परिवार के तत्वावधान में कार्य किया जा रहा है।